कक्षा ६ की हिन्दी भाषा पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त तत्सम तथा तद्भव शब्दों में छात्रों की उपलब्धि का परीक्षण

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा

की

आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2006–07

शोधकर्ता

वैभव वसन्त कान्हे

मार्गदर्शक

संजय कुमार पड़ागले

प्रवक्ता, शिक्षा

सह मार्गदर्शिका

डॉ. श्रद्धा तिवारी

प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.

NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

(रा.शै.अनु.और प्रशि.परिषद्,)

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

कक्षा ६ की हिन्दी भाषा पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त तत्सम तथा तद्भव शब्दों में छात्रों की उपलब्धि का परीक्षण

D- 235

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा

की

आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2006–07

शोधकर्ता
वैभव वसन्त कान्हे

मार्गदर्शक
संजय कुमार पंड़ागले
प्रवक्ता, शिक्षा

सह मार्गदर्शिका
डॉ. श्रद्धा तिवारी
प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(रा.शै.अनु.और प्रशि.परिषद्,)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा – पत्र

मैं वैभव वसन्त कान्हे एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र यह घोषणा करता हूँ कि ''कक्षा ६ की हिन्दी भाषा पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त तत्सम तथा तद्भव शब्दों में छात्रों की उपलब्धि का परीक्षण'' नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध वर्ष 2006–07 में मैनें संजय कुमार पंड़ागले, प्रवक्ता के मार्गदर्शन तथा डॉ श्रद्धा तिवारी प्रवक्ता (तदर्थ) के सह–मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल से पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड़. (प्रारंभिक शिक्षा) 2006–07 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिए गये आंकड़े एवं सूचनाएं विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये है तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

भोपाल

दिनांक : 13-04-07.

शोधकर्ता

Vaibhav

वैभव वसंत कान्हे
एम.एड.(प्रा.शिक्षा)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि वैभव वसंत कान्हे, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत् है, ने एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघुशोध प्रबंध कार्य "कक्षा ६ की हिन्दी भाषा पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त तत्सम तथा तद्भव शब्दों में छात्रों की उपलब्धि का परीक्षण' मेरे मार्गदर्शन में विधिवत् पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध कार्य पूर्णतः मौलिक है, जिसे मेहनत ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की सत्र 2006–07 की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम है।

स्थान :–

दिनांकः–

मार्गदर्शक
Sandegale 13/4/07
संजय कुमार पंड़ागले
प्रवक्ता, शिक्षा

सहमार्गदर्शिका
Seal
डॉ. श्रद्धा तिवारी
प्रवक्ता (तदर्थ), शिक्षा

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध "कक्षा ६ की हिन्दी भाषा पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त तत्सम तथा तद्भव शब्दों में छात्रों की उपलब्धि का परीक्षण" की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय संजय कुमार पंडागले, प्रवक्ता तथा डॉ. श्रद्धा तिवारी, प्रवक्ता (तदर्थ) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है। जिन्होनें निरंतर उचित परामर्श तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है।

मैं आदरणीय प्राचार्य प्रो. ए.बी. सक्सेना, अधिष्ठाता प्रो. एस.ए.शफी, तथा प्रो. जी. एन.पी. श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, मार्गदर्शन तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ जिन्होनें मुझे शोधकार्य की सम्पन्नता में सहयोग प्रदान किया है।

मैं आदरणीय डॉ. बी. रमेश बाबू प्रवाचक का हृदय से आभारी हूँ जिन्होनें अपने बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक के रूप में पर्याप्त समय दिया तथा विषय चयन, लेखन तथा आंकड़ों के संकलन में महत्वपूर्ण सहयोग व मार्गदर्शन किया। अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं डॉ.एस.के. गुप्ता, डॉ.यू. लक्ष्मीनारायण डॉ.एस.पी. मिश्रा, डॉ.के.के.खरे डॉ.श्रीमती रत्नमाला आर्य, डॉ.के.सी. साबू, डॉ.सुनीती खरे, डॉ. एम.के. श्रीवास्तव, डॉ. बी.पी.द्विवेदी, श्रीमती अंजली सुहाने, सुश्री यशोधरा गुप्ता,एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होनें समय–समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोधकार्य में सहयोग दिया।

मैं पुस्तकालय कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ, जिनके सहयोग से शोधकार्य सम्पन्न हो सका है।

मैं अपने सहपाठियों आभा, शिल्पा, सेजल, विनिता, ज्योति, रश्मि, रमा, मीना, सीमा, पूजा, मंगेशा, दिनेश सोनवणे, मयंक, आलोक, संदीप, प्रवीण, सुरेन्द्र, दिनेश, हंसमुख, साकेत, राजेन्द्र रघुवंशी का हृदय से आभारी हूँ जिन्होनें प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य में सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने आदरणीय माता, स्व. पिता, भैया, भाभी तथा परिवार के शुभचिंतकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा जिन्होनें मेरे अध्ययन में तन, मन, धन, से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

अंत में मैं शोधकार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोधकार्य में जिन्होनें किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

भोपाल
दिनांक

शोधकर्ता

Vaibhav

वैभव वसंत कान्हे
एम.एड.(प्रा.शिक्षा)

अनुक्रमणिका

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	अध्याय प्रथम शोध परिचय	1–35
1.1	भूमिका	1
1.1.1	हिन्दी के विषय में विभिन्न आयोगो के विचार	2
1.1.2	हिन्दी भाषा शिक्षण का स्वरूप	5
1.1.3	शिक्षा में हिन्दी भाषा का महत्व	5
1.1.4	भारतीय बहुभाषा समाज	6
1.1.5	प्रत्येक प्रान्त की बोली, भाषा	9
1.1.6	प्रामाणिक भाषा	15
1.1.7	हिन्दी उद्‌भव विकास और रूप	16
1.1.8	अनार्य जातियों का योगदान	18
1.1.9	प्राचीन आर्य भाषा	18
1.1.10	मध्यकालीन आर्यभाषा	20
1.1.11	अपभ्रंश	24
1.1.12	अवहट्‌ट	24
1.1.13	आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ	25
1.1.14	सामान्य भाषा	27
1.1.15	हिन्दुस्तानी	28
1.2	समस्या की आवश्यकता एवं महत्व	29
1.3	समस्या कथन	31
1.4	उद्‌देश्य	31
1.5	सीमांकन	32
1.6	पदों व संकल्पनाओं की परिभाषा	32
2.	अध्याय द्वितीय संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	36–38

3.	अध्याय तृतीय शोध प्रविधि एवं प्रकिया	39–43
3.1	शोध प्रविधि	39
3.2	भाषा विश्लेषण	40
3.3	न्यादर्श का चयन	40
3.4	प्रतिदर्श का विवरण	40
3.5	उपकरण निर्माण	41
3.6	प्रदत्तों का संकलन	42
3.7	प्रयुक्त सांख्यिकी	43
4.	अध्याय चतुर्थ	44–51
	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	
(अ)	तत्सम तथा तद्भव शब्दों का विवरण	44
(ब)	तत्सम तथा तद्भव शब्दों में छात्रों की उपलब्धि विवरण	46
5.	अध्याय पंचम	52–55
	शोध निष्कर्ष एवं सुझाव	
5.1	संक्षेपिका	53
5.2	शोध का शीर्षक	53
5.3	शोध के उद्देश्य	53
5.4	सीमांकन	54
5.5	निष्कर्ष एवं व्याख्या	54
5.6	सुझाव	55
5.7	भावी शोध हेतु समस्याऐं	55
	संदर्भ ग्रंथ	56–57
	परिशिष्ट	I-II